मॉडल प्रश्न-पत्र प्रारूप (उत्तर सहित)

Model Sample Question Paper with Answers

FINAL Examination

इण्टरमीडिएट–द्वितीय वर्ष (Class XII)

Set 5

भूगोल (Geography)

Time – 3 Hours *Full Marks – 70*

सामान्य निर्देश : परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
दाहिने ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
सभी प्रश्नों के उत्तर दें।
प्रश्न संख्या 1 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
प्रश्न संख्या 11 से 20 तक प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का हैं। परीक्षार्थी अपना उत्तर 30 शब्दों से अधिक में न दें।
प्रश्न संख्या 21 से 25 तक प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का हैं। परीक्षार्थी अपना उत्तर 100 शब्दों से अधिक में न दें।
प्रश्न संख्या 26 से 29 तक प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। परीक्षार्थी अपना उत्तर 200 शब्दों से अधिक में न दें।

बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न $1 \times 10 = 10$

1. संसार के किस महाद्वीप पर लोगों का स्थायी निवास नहीं है?
(a) दक्षिण अमेरिका (b) अंटार्कटिका
(c) ओशोनिया (d) अफ्रीका। *उत्तर : (b)*

2. 'ज्योग्राफिया जेनेरालिस' के लेखक कौन हैं।
(a) बर्नार्ड वेरेनियस (b) चार्ल्स डार्विन
(c) रैटजेल (d) बकल। *उत्तर : (a)*

3. बॉक्साइट से कौन सा धातु प्राप्त होता है?
(a) लोहा (b) एल्युमीनियम
(c) सोना (d) चांदी। *उत्तर : (b)*

4. इनमें से किसे 'क्यूबा की रानी' कहा जाता है?
(a) गेहूँ (b) चावल (c) गन्ना (d) गन्ना। *उत्तर : (c)*

5. भारतीय रेल को कितने क्षेत्रों में विभाजित किया गया है।
(a) 4 (b) 6 (c) 9 (d) 16 *उत्तर : (d)*

6. निम्न में से कौन सघन जनसंख्या वाला क्षेत्र है?
(a) भूमध्यरेखीय प्रदेश (b) ध्रुवीय प्रदेश
(c) मरूस्थलीय क्षेत्र (d) दक्षिण-पूर्वी एशिया (मैदानी क्षेत्र)। *उत्तर : (d)*

Scanned with CamScanner

7. निम्नलिखित में से किस महाद्वीप में जनसंख्या वृद्धि सर्वाधिक है?
(a) यूरोप (b) अफ्रीका (c) आस्ट्रेलिया (d) एशिया। *उत्तर : (b)*

8. कौन-सा औद्योगिक अवस्थापना का एक कारण नहीं है?
(a) बाजार (b) पूँजी
(c) जनसंख्या घनत्व (d) ऊर्जा। *उत्तर : (c)*

9. निम्नलिखित बन्दरगाहों में से कौन प्राकृतिक बंदरगाह नहीं है।
(a) मुम्बई (b) कोच्चि
(c) चेन्नई (d) गोवा। *उत्तर : (c)*

10. सामान्यतः साधारण वार्तालाप की ध्वनि आँकी गई है -
(a) 60 डेसीबल (b) 30 डेसीबल
(c) 80 डेसीबल (d) 90 डेसीबल। *उत्तर : (a)*

अति लघु-उत्तरीय प्रश्न $2 \times 10 = 20$

प्रश्न 11. मानव भूगोल के उद्देश्यों की व्याख्या करें। 2

***अथवा,* मानव भूगोल के क्षेत्रों का उल्लेख करें।**

उत्तर : मानव भूगोल का क्षेत्र मानव की प्राथमिक आवश्यकताओं, आवश्यकताओं की पूर्ति, मानव के मौलिक आर्थिक क्रियाकलाप, मानवीय कार्यकुशलता आदि पर पर्यावरण के भौतिक तत्त्वों के प्रभाव तक विस्तृत है। मनुष्य प्रकृति का उपभोग अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए करता है। ज्ञान के विकास के साथ प्रकृति और मनुष्य के संबंधों में परिवर्तन हुआ है तथा इन्हीं परिवर्तनों के सन्दर्भ में मानवीय क्रियाकलापों की व्याख्या मानव भूगोल का उद्देश्य है।

***अथवा,* प्रदूषण एवं प्रदूषक में अन्तर स्पष्ट करें।**

उत्तर : जल, वायु या भूमि के भौतिक अथवा रासायनिक संरचना में अवांछित परिवर्तन को प्रदूषण कहा जाता है, जबकि ऐसे परिवर्तन करने वाले कारकों को प्रदूषक के नाम से जाना जाता है।

प्रश्न 12. नियतिवाद (निश्चयवाद) तथा संभावनावाद में अन्तर बताइए। 2

उत्तर : नियतिवाद के अनुसार मनुष्य के क्रियाकलाप, पर्यावरण द्वारा नियंत्रित होते हैं, जबकि संभावनावाद के अनुसार मनुष्य प्रकृति को नियंत्रित करने में सक्षम है तथा अपने लाभ के लिए वह प्रकृति का विभिन्न रूपों में उपयोग कर सकता है।

प्रश्न 13. द्वितीयक क्रियाकलाप किसे कहते हैं? उन्हें द्वितीयक क्यों कहा जाता है? 2

उत्तर : प्राथमिक क्रियाकलाप से प्राप्त उत्पाद को अधिक मूल्य वाले उत्पाद में परिवर्तित करने संबंधी क्रियाकलाप को द्वितीयक क्रियाकलाप के अन्तर्गत शामिल किया जाता है। जैसे- गन्ने से चीनी बनाना, कपास से वस्त्र बनाना, लौह-अयस्क से इस्पात तथा इस्पात से मशीनें बनाना आदि। एक विकसित देश में जनसंख्या का बड़ा भाग द्वितीयक क्रियाकलाप में संलग्न होता है।

***अथवा,* कृषि को परिभाषित करें।**

उत्तर : भूमि से फसल उत्पादन की प्रक्रिया को कृषि कहा जाता है। इसमें भूमि की जुताई, बीज बोना, सिंचाई आदि सम्मिलित हैं। कृषि को प्राथमिक क्रिया कहा जाता है। यह पृथ्वी पर मानव के अस्तित्व का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण आधार है।

Scanned with CamScanner

अथवा, ट्रक कृषि किसे कहते हैं?

उत्तर : जिन प्रदेशों में कृषक केवल सब्जियाँ एवं फल उत्पादित करते हैं वहाँ उन्हें ट्रक कृषि (Truck Farming) कहा जाता है। ट्रक एक रात में जितनी दूरी तय कर सकता है उतनी दूरी तक में यह कृषि अपना बाजार बनाती है। इसलिए इसे इस नाम से सम्बोधित किया गया है।

प्रश्न 14. प्रवास का क्या अर्थ है? प्रवास के कारणों का उल्लेख करें। 2

उत्तर : जीवन यापन की बेहतर दशाओं की खोज में लोगों का एक स्थान से जाकर दूसरे स्थान पर स्थायी रूप से निवास करने की प्रक्रिया को प्रवास के नाम से जाना जाता है।

प्रवास के कारण –

(i) रोजगार की खोज में व्यक्तियों का एक स्थान से दूसरे स्थान को प्रवास।

(ii) शैक्षणिक सुविधाओं से आकर्षित होकर व्यक्तियों का प्रवास।

(iii) जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं की उपलब्धता के कारण प्रवास।

(iv) विवाह के कारण प्रवास।

(v) राजनीतिक अस्थिरता, जातिगत संघर्ष तथा नैतिकता संबंधी विचारों के कारण प्रवास।

प्रश्न 15. जनसंख्या के आयु लिंग संरचना से क्या समझते हैं? 2

उत्तर : किसी जनसंख्या का, आयु या उम्र तथा उस जनसंख्या में पुरुष-स्त्री के अनुपात के अनुसार विभाजन, आयु लिंग संरचना कहलाता है। इस संरचना में समय एवं स्थान के साथ परिवर्तन होता है। किसी भी जनसंख्या को तीन आयु संरचना में विभाजित किया जा सकता है –

0 से 14 वर्ष तक	–	अल्पवयस्क जनसंख्या (आश्रित)
15 से 59 वर्ष तक	–	युवा /वयस्क जनसंख्या (कार्यशील)
60 वर्ष से ऊपर	–	वृद्ध जनसंख्या (आश्रित)

अथवा, **जनसंख्या घनत्व से आप क्या समझते हैं?**

उत्तर : किसी भौगोलिक क्षेत्र में प्रति इकाई क्षेत्रफल में निवास करने वाले व्यक्तियों की संख्या को जनसंख्या घनत्व के नाम से जाना जाता है। यह किसी भौगोलिक क्षेत्र में जनसंख्या के वितरण के अध्ययन की एक विधि है।

अथवा, **भौगोलिक सूचना तंत्र से आप क्या समझते हैं?**

उत्तर : भौगोलिक तथ्यों अथवा समंकों के संग्रह, वर्गीकरण, प्रबंधन तथा उनके आधार पर महत्त्वपूर्ण जानकारियों को प्राप्त करने की समेकित व्यवस्था को भौगोलिक सूचना तंत्र कहा जाता है। इसका उपयोग संसाधनों की सूचना, स्थलाकृतियों की बनावट, मौसम विभाग इत्यादि में किया जाता है।

प्रश्न 16. 'जनसंख्या की वृद्धि' पद की परिभाषा दीजिए। 2

उत्तर : जनसंख्या वृद्धि से अभिप्राय किसी क्षेत्र में समय की किसी निश्चित अवधि के दौरान बसे हुए लोगों की संख्या में परिवर्तन से है।

अथवा, **ग्रामीण तथा नगरीय जनसंख्या में अन्तर बताइए।**

अथवा, **ग्रामीण एवं नगरीय संघटन की विशेषताएँ बताएँ।**

उत्तर : **ग्रामीण जनसंख्या :**

(i) मुख्य व्यवसाय कृषि

(ii) एक प्रकार के समूह की प्रधानता

(iii) एक ही भाषा का प्रयोग

(iv) घनिष्ठ सामाजिक संबंध

Scanned with CamScanner

नगरीय जनसंख्या :

(i) द्वितीयक एवं तृतीयक क्रियाकलापों की प्रधानता (ii) विभिन्न समूह के लोग (iii) विभिन्न भाषाओं को प्रयोग (iv) घनिष्ठ सामाजिक संबंधों का अभाव।

प्रश्न 17. एकाकी बस्तियाँ (Isolated settlements) क्या हैं? 2

उत्तर : एकाकी बस्तियाँ (Isolated settlements) बड़े-बड़े पशुपालन फार्मों के फार्म हाउसों में होती हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा तथा ऑस्ट्रेलिया में ऐसी बस्तियाँ स्थापित होती हैं।

***अथवा,* नगरों में जनसंख्या वृद्धि के प्रमुख कारणों का वर्णन करें।**

उत्तर : नगरों की जनसंख्या में वृद्धि के निम्नलिखित प्रमुख कारण हैं–

(i) जीवन की भौतिक सुख-सुविधाओं की उपलब्धता के कारण, विभिन्न क्षेत्रों से नगरों की ओर प्रवास।

(ii) रोजगार की उपलब्धता के कारण नगरीय क्षेत्र में प्रवास।

(iii) शैक्षणिक सुविधाओं, विवाह संबंध तथा अन्य सामाजिक व नैतिक कारणों से शहरों की आरे प्रवास।

(iv) नगरों की विशिष्ट जीवन शैली तथा सामाजिक गतिशीलता से आकर्षित होकर शहरों की ओर प्रवास।

प्रश्न 18. स्थानांतरी कृषि क्या है? यह कहाँ-कहाँ की जाती है? 2

***अथवा,* स्थानान्तरण कृषि की विशेषताओं का वर्णन करें।**

उत्तर : स्थानांतरी कृषि, कृषि का प्रारंभिक रूप है। कृषि की इस प्रक्रिया में एक क्षेत्र से उत्पादन प्राप्त हो जाने के बाद, उसे छोड़ दिया जाता है और फिर दूसरे क्षेत्र में कृषि की जाती है।

यह एक सरल कृषि पद्धति है, जिसमें वैज्ञानिक उपकरणों, सिंचाई, उन्नत बीजों आदि का प्रयोग नहीं किया जाता है। यह मुख्य रूप से खाद्यान्न फसलों के उत्पादन में प्रयुक्त की जाती है। इस प्रकार की खेती प्रायः खानाबदोश जातियों द्वारा की जाती है। इस प्रकार की खेती जायरे बेसिन, दक्षिण-पूर्वी एशिया, वेनेजुएला, ब्राजील, मध्य अमेरिका और उत्तर-पूर्वी भारत में की जाती है। भारत में इसे झूमिंग खेती भी कहते हैं।

प्रश्न 19. औद्योगिक जड़त्व क्या है? 2

उत्तर : किसी उद्योग के एक स्थान पर स्थापित होने तथा दीर्घकाल तक उसी स्थान पर बने रहने की औद्योगिक जड़त्व के नाम से जाना जाता है। प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता, श्रम की उपलब्धता, परिवहन की सुविधा, बाजार माँग आदि इसके महत्त्वपूर्ण कारण हैं।

प्रश्न 20. खनन क्या है? 2

उत्तर : 'खनन' का अर्थ भूमि की खुदाई है। इस प्रक्रिया के द्वारा भूमि के अन्दर उपस्थित पदार्थों को निकाला जाता है। इन पदार्थों को 'खनिज' कहा जाता है। मानव जीवन में खनिजों का महत्त्वपूर्ण स्थान है। लोहा, कोयला, ताँबा, बॉक्साइट आदि कुछ ऐसे महत्त्वपूर्ण धातु हैं जो इनके खनिजों से प्राप्त होते हैं।

***अथवा,* सूचना प्रौद्योगिकी का क्या अर्थ है?**

उत्तर : सूचना प्रौद्योगिकी से तात्पर्य है – सूक्ष्म इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्प्यूटिंग, दूरसंचार, प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक तकनीक का समन्वय एवं उपयोग।

इस तकनीक के उद्भव से अनेक क्षेत्रों में क्रान्तिकारी परिवर्तन आया है जिसके परिणामस्वरूप नवीनतम क्रियाकलापों का विकास हुआ है।

Scanned with CamScanner

लघु-उत्तरीय प्रश्न
4 × 5 = 20

प्रश्न 21. भारत में सिचाई के साधनों का वर्णन करें। 4

***अथवा,* सिंचाई के विभिन्न स्त्रोतों तथा उनके वितरण प्रारूप का वर्णन करें।**

उत्तर : भारत में सिंचाई के प्रमुख साधन, नहरें, कुएँ, नलकूप तथा तालाब हैं। समय के साथ इन साधनों का सापेक्षिक महत्त्व परिवर्तित होता रहा है।

नहरें : नहरों द्वारा सिंचित क्षेत्र में से 52.5 प्रतिशत उत्तर के विशाल मैदानों में स्थित है। नहरी सिंचाई की सर्वाधिक भागीदारी (90.7 प्रतिशत) जम्मू-कश्मीर में है। सबसे कम सिंचित भूमि वाला राज्य मिजोरम सिंचाई के लिए पूर्ण रूप से नहरों पर निर्भर है। हरियाणा, उड़ीसा, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, पंजाब, बिहार, केरल, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान तथा उत्तरप्रदेश में भी सिंचाई के लिए नहरों का प्रयोग मुख्य रूप से होता है।

दक्षिण भारत में आंध्रप्रदेश में सिंचाई के साधन के रूप में नहरों का सर्वाधिक प्रयोग हुआ है। यहाँ गोदावरी, कृष्णा और तुंगभद्रा नदियों से नहरें निकाली गयी है। कर्नाटक एवं तमिलनाडु में भी नहरों का प्रयोग सिंचाई के लिए किया जाता है।

कुएँ तथा नलकूप : उत्तर के विशाल मैदान, भौम जल संसाधन में समृद्ध हैं, अत: यहाँ सिंचाई के साधन के रूप में कुओं तथा नलकूपों का उपयोग अधिक हुआ है। गुजरात, उत्तरप्रदेश, गोवा, राजस्थान, पंजाब एवं महाराष्ट्र में इन साधनों द्वारा सिंचाई की जाती है। इन क्षेत्रों में सिंचाई में इन साधनों की भागीदारी 60-70 प्रतिशत है। मध्यप्रदेश, बिहार, हरियाणा, तमिलनाडु और उड़ीसा में कुओं एवं नलकूपों की समग्र सिंचाई में भागीदारी 40-55 प्रतिशत तक है।

तालाब : तालाब, सिंचाई के साधन के रूप में अपना महत्त्व खोते जा रहे हैं। सिंचाई में तालाबों की भागीदारी मात्र 6.1 प्रतिशत है। तालाब द्वारा शुद्ध सिंचित क्षेत्रों में तमिलनाडु का स्थान प्रथम है, जहाँ 21.6 प्रतिशत क्षेत्रों को तालाब से सिंचाई प्राप्त होती है। उड़ीसा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल और पश्चिम बंगाल में तालाबों द्वारा सिंचाई को महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त है।

प्रश्न 22. जनांकिकीय संक्रमण की अवस्थाओं का वर्णन करें। 4

उत्तर : जनसांख्यिकीय संक्रमण के पाँच प्रकार निम्नलिखित हैं–

प्रथम अवस्था :

(I) आदिकालीन जनांकिकीय अवधि – यह अवस्था उच्च जन्म दर तथा उच्च मृत्यु दर दर्शाती है। इस अवस्था में जनसंख्या में आंशिक परिवर्तन होता है।

द्वितीय अवस्था :

(II-a) संक्रमणशील या युवा जनांकिकीय अवधि – यह अवस्था उच्च जन्म दर तथा घटती मृत्यु दर से संबंधित है। इस अवस्था में जनसंख्या में तेजी से वृद्धि होती है।

(II-b) परवर्ती संक्रमणशील जनांकिकीय अवधि – यह अवस्था घटती जन्म दर तथा निम्न मृत्यु दर को दर्शाता है। इस अवस्था में जनसंख्या में वृद्धि कम हो जाती है।

(II-c) निम्न परिवर्तनशील या परिपक्व जनांकिकीय अवस्था – यह अवस्था निम्न जन्म दर तथा उच्च मृत्यु दर को दर्शाता है।

तृतीय अवस्था :

(III) लगभग शून्य वृद्धि की अवधि – इस अवस्था में जन्म दर एवं मृत्यु दर समान होती है, अत: जनसंख्या में वृद्धि लगभग शून्य के बराबर होती है।

***अथवा,* प्रवास का क्या अर्थ है? प्रवास के कौन-से कारण हैं?**

***अथवा,* प्रवास को प्रभावित करने वाले तत्त्वों की व्याख्या करें।**

उत्तर : जीवन यापन की बेहतर दशाओं की खोज में लोगों का एक स्थान से जाकर दूसरे स्थान पर स्थायी रूप से निवास करने की प्रक्रिया को प्रवास के नाम से जाना जाता है।

Scanned with CamScanner

प्रवास के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं –

(i) शिक्षा : ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की मूलभूत सुविधाओं के अभाव के कारण, बड़ी संख्या में लोग शहरों की ओर प्रवास करते हैं। शिक्षा प्राप्ति का उद्देश्य रोजगार प्राप्त करना होता है, अतः शिक्षा की समाप्ति पर लोग रोजगार प्राप्त कर शहरों में ही बस जाते हैं।

(ii) रोजगार : ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि है। कृषि, वर्तमान में एक अलाभकारी व्यवसाय बन गया है, अतः लोग कृषि के अतिरिक्त दूसरे क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करना चाहते हैं। इसी उद्देश्य के साथ लोग गाँवों से शहरों की ओर प्रवास करते हैं तथा रोजगार प्राप्त कर वहीं बस जाते हैं।

(iii) जीवन-स्तर में सुधार : जीवन की बेहतर सुविधाओं से आकर्षित होकर भी लोग शहरों की ओर प्रवास करते हैं तथा स्थायी रूप से वहीं बस जाते हैं।

(iv) विवाह के कारण प्रवास।

(v) राजनीतिक अस्थिरता, जातिगत संघर्ष तथा नैतिकता संबंधी विचारों के कारण प्रवास।

प्रश्न 23. मानव भूगोल के अध्ययन में अपनायी गयी तीन अध्ययन विधियों का उल्लेख कीजिए। **4**

उत्तर : द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद मानव भूगोल के अनेक क्षेत्रों में तेजी से विकास हुआ। इस अवधि में मानव कल्याण से संबंधित नई समस्याएँ जैसे –गरीबी, सामाजिक व प्रादेशिक असमानता, समाज कल्याण तथा सशक्तिकरण आदि को समझने में पारम्परिक विधियाँ असमर्थ थीं। इसके लिए कई नई विधियाँ अपनायी गयीं।

(i) **प्रत्यक्षवाद :** इसमें मात्रात्मकता के उपयोग पर अधिक बल दिया गया ताकि विभिन्न कारकों के भौगोलिक प्रतिरूपों के अध्ययन के समय विश्लेषण को अधिक वस्तुनिष्ठ बनाया जा सके।

(ii) **व्यवहारवाद :** इसका उदय प्रत्यक्षवाद के विरोधस्वरूप हुआ, जिसमें मानव की ज्ञान शक्ति पर विशेष बल दिया गया।

(iii) **कल्याणवाद :** विश्व के विभिन्न प्रदेशों तथा देशों के भीतर तथा पूँजीवाद के प्रभाव से विभिन्न सामाजिक समूहों के भीतर बढ़ती असमानता के कारण इस विचारधारा का जन्म हुआ। इसके अन्तर्गत निर्धनता, विकास में प्रादेशिक असमानता, नगरीय झुग्गियों और अभावों जैसे विषयों को भौगोलिक अध्ययन का केन्द्र बनाया गया।

***अथवा,* आयु संरचना द्वारा प्रकट की जाने वाली, विश्व जनसंख्या की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।**

उत्तर : किसी जनसंख्या की आयु संरचना से निम्नांकित विशेषताओं का पता चलता है–

(i) विश्व में युवाओं की जनसंख्या अधिक है, क्योंकि 36 प्रतिशत जनसंख्या 15 वर्ष से कम आयु वर्ग में है। विकसित देशों में यह प्रतिशतता 23 तथा विकासशील देशों में यह प्रतिशतता 40 है। युवाओं का अधिक प्रतिशत उच्च जन्म दर तथा निम्न प्रतिशत निम्न जन्म दर का द्योतक होता है।

(ii) किसी भी जनसंख्या में 15 से 59 वर्ष का आयु वर्ग देश की सर्वाधिक प्रजननशील, सर्वाधिक उत्पादक तथा सर्वाधिक गतिशील वर्ग होता है। विकासशील देशों में इस वर्ग की प्रतिशतता, विकसित देशों की तुलना में अन्य दो वर्गों की प्रतिशतता से अधिक होती है। इस वर्ग की प्रतिशतता, किसी भी देश की जनसंख्या में अधिक होती है।

(iii) जब कोई देश अपनी जनांकिकीय विकास को प्राप्त कर लेता है, तो 60 वर्ष से ऊपर की जनसंख्या में सर्वाधिक वृद्धि होती है। इस अवस्था में सरकार द्वारा दी जा रही सहायताओं में वृद्धि होती है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 24. निम्नलिखित का अर्थ समझाइए – 4

(i) ज्ञान आधारित उद्योग

(ii) निजीकरण

(iii) वैश्वीकरण (भूमंडलीकरण)।

***अथवा,* वैश्वीकरण या भूमंडलीकरण से क्या समझते हैं?**

उत्तर : **(i) ज्ञान आधारित उद्योग :** कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर तथा हार्डवेयर के निर्माण से संबंधित उद्योग को ज्ञान आधारित उद्योग के नाम से जाना जाता है। इन दोनों का प्रयोग, सूचना एवं प्रौद्योगिकी में किया जाता है। इन उद्योगों का कुल व्यापार 1989 - 90 ई. में 3.45 अरब रुपये तथा 2001 में यह 377.5 अरब डॉलर हो गया। सॉफ्टवेयर का व्यापार, हार्डवेयर के व्यापार की तुलना में अधिक होता है।

(ii) निजीकरण : उद्यमों के स्वामित्व तथा प्रबंध को निजी हाथों में सौंपने की प्रक्रिया को निजीकरण के नाम से जाना जाता है। निजीकरण की प्रक्रिया को, अपनाने का मुख्य कारण, सार्वजनिक क्षेत्रों की असफलता थी। निजीकरण की प्रक्रिया के अन्तर्गत उन उद्योगों को निजी क्षेत्र के लिए खोल दिया गया, जो पहले सार्वजनिक क्षेत्र के लिए सुरक्षित थे तथा साथ ही विदेशी निवेश की सीमा को भी बढ़ा दिया गया।

(iii) वैश्वीकरण (भूमंडलीकरण) : अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक एकीकृत अर्थव्यवस्था की स्थापना को वैश्वीकरण के नाम से जाना जाता है। वैश्वीकरण, वस्तुओं, सेवाओं, संसाधनों, श्रमिको आदि के एक देश से दूसरे देश में निर्बाध परिगमन को सुनिश्चित करता है। वैश्वीकरण का मुख्य उद्देश्य घरेलू उत्पादों को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराना है।

प्रश्न 25. स्वेज एवं पनामा नहर मार्गों की तुलनात्मक व्याख्या करें।

***अथवा,* स्वेज एवं पनामा नहर मार्गों का वर्णन करें।** 4

उत्तर :

स्वेज नहर	पनामा नहर
(1) यह मिस्र देश में स्थित है।	(1) यह पनामा देश में स्थित है।
(2) इस नहर पर मिस्र देश का अधिकार है।	(2) इस नहर पर संयुक्त राज्य का अधिकार है।
(3) इसके आसपास उन्नत देश हैं।	(3) इसके पास-पास कम उन्नत देश हैं।
(4) इस में एक तरफा यातायात होता है।	(4) इसमें दोनों तरफ से यातायात होता है।
(5) स्वेज नहर की लम्बाई अधिक है।	(5) पनामा नहर की लम्बाई कम है।
(6) इस नहर में कोई द्वार प्रणाली नहीं है।	(6) इस नहर में जहाज द्वार प्रणाली द्वारा ही आ-जा सकते हैं।
(7) इस नहर का धरातल समतल है।	(7) इस नहर का धरातल पहाड़ी है।
(8) इस नहर से गुजरने वाले जहाजों पर भारी कर लगते हैं।	(8) इस नहर से गुजरने वाले जहाजों पर कम कर लगते हैं।
(9) इस मार्ग पर अधिक यातायात हैं।	(9) इस मार्ग पर कम यातायात हैं।
(10) यह नहर रूम सागर तथा रक्त सागर को मिलाती है।	(10) यह नहर प्रशान्त महासागर तथा अन्धमहासागर को मिलाती है।
(11) इसका अधिकतर प्रयोग इंग्लैण्ड द्वारा होता है।	(11) इसका अधिकतर प्रयोग अमेरिका से होता है।
(12) इस मार्ग पर कोयले के पर्याप्त साधन हैं।	(12) इस मार्ग पर कोयले के कम साधन हैं।
(13) इस मार्ग पर अधिक बन्दरगाह हैं।	(13) इस मार्ग पर कम बन्दरगाह हैं।

Scanned with CamScanner

दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न $5 \times 4 = 20$

प्रश्न 26. भारत में जनसंख्या के घनत्व को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों की विवेचना कीजिए। 5

अथवा, भारत के किन क्षेत्रों में जनसंख्या का घनत्व आधिक है और क्यों?

अथवा, भारत में जनसंख्या वितरण बहुत असमान है। व्याख्या करें।

अथवा, जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : भारत में जनसंख्या के असमान वितरण के निम्नलिखित कारण हैं–

(i) उच्चावच – समतल भूमि, जनसंख्या के निवास की अनुकूल शर्त है। अत: नदी घाटियों, तटीय मैदान तथा उत्तरी मैदानों में अधिक जनसंख्या निवास करती है, जबकि पर्वतीय, दलदली, जलमग्न आदि क्षेत्रों में कम जनसंख्या निवास करती है। उदाहरणार्थ – जम्मू-कश्मीर तथा पूर्वी क्षेत्र के राज्यों में कम जनसंख्या है जबकि, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार आदि राज्यों में अधिक जनसंख्या है।

(ii) जलवायु – विषम जलवायु क्षेत्रों, जैसे जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, हिमालय के शीत प्रदेशों में विरल जनसंख्या पायी जाती है, जबकि सहनशील अथवा अनुकूल जलवायु वाले क्षेत्रों में सघन जनसंख्या पायी जाती है।

(iii) मिट्टी – भारत एक कृषि प्रधान देश है, अत: जहाँ मिट्टी उपजाऊ तथा कृषि के अनुकूल स्थितियाँ विद्यमान हैं वहाँ सघन जनसंख्या है जैसे- उत्तर प्रदेश, बिहार आदि। इसके विपरीत राजस्थान के मरुस्थली भूमि और हिमालय की तराई क्षेत्र के कम उपजाऊ होने के कारण यहाँ जनसंख्या विरल है।

(iv) संसाधनों की उपलब्धता – दामोदर घाटी में खनिज संसाधनों की प्रचुरता, पूर्वी तटीय मैदानों में मत्स्य पालन की सुविधा तथा पर्वतीय क्षेत्रों में इमारती लकड़ियों की बहुलता के कारण इन क्षेत्रों में सघन जनसंख्या निवास करती है।

(v) उद्योगीकरण – उद्योगीकरण, नगरीकरण को प्रोत्साहित करता है। नगरीकरण नगरीय जनसंख्या में वृद्धि का एक महत्त्वपूर्ण कारक है। भारत के प्राय: सभी औद्योगिक रूप से विकसित क्षेत्रों में सघन जनसंख्या पायी जाती है। जैसे- दुर्गापुर, भिलाई, राउरकेला, राँची, जमशेदपुर, बोकारो आदि।

(vi) परिवहन के साधनों की सुविधा – रेल लाइनों के सघन जाल के कारण ही उत्तरी मैदानों की जनसंख्या सघन है, जबकि पर्वतीय प्रदेशों में जहाँ परिवहन के साधन अपेक्षाकृत पिछड़े हुए हैं, विरल जनसंख्या पायी जाती है।

***अथवा,* लिंग अनुपात कैसे मापा जाता है? भारत में निम्न लिंग अनुपात के कारणों को बताइए।**

उत्तर : जनसंख्या में स्त्रियों और पुरुषों की संख्या के अनुपात को लिंगानुपात कहा जाता है। इसकी माप की विधि प्रत्येक देश में अलग-अलग आधारों पर होती है। कहीं पुरुषों के अनुपात में स्त्रियों की संख्या मापी जाती है तो कहीं स्त्रियों के अनुपात में पुरुषों की संख्या मापी जाती है। कहीं 1000 स्त्री/ पुरुष में अनुपात की गणना होती है तो कहीं 100 में ही यह अनुपात प्राप्त किया जाता है।

भारत में यह अनुपात प्रति हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या द्वारा निम्न सूत्र से ज्ञात किया जाता है —

$$\frac{\text{स्त्रियों की संख्या} \times 1000}{\text{पुरुषों की संख्या}} = \text{लिंगानुपात}$$

Scanned with CamScanner

2001 की जनगणना के अनुसार भारतीय जनसंख्या का कुल मिलकार लिंग अनुपात 933 है। विभिन्न आँकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि दशकों से लिंग अनुपात में गिरावट आयी है। इस गिरावट के लिए निम्न कारण उत्तरदायी हो सकते हैं :

(i) बालक शिशु को प्राथमिकता दिया जाना : भारत में प्राय: लड़कों को विशेष महत्त्व दिया जाता है जबकि लड़कियों की उपेक्षा की जाती है।

(ii) दाई या नर्सिंग करने वाली महिला बच्चे को जन्म देने वाली महिलाओं को अपेक्षित चिकित्सा सुविधा तथा उपचार नहीं प्रदान करती है, इसी कारण प्राय: बच्चे को जन्म देते समय या उसके बाद जन्म देने वाली महिला की मृत्यु हो जाती है।

(iii) भारत में दहेज मृत्यु में वृद्धि हो रही है।

(iv) पहला बच्चा लड़का होने के बाद कई दंपति दूसरी बच्ची का विचार नहीं करते।

(v) लिंग निर्धारण परीक्षण के कारण कन्या भ्रूण को समाप्त करवाने की घटनाएँ बढ़ी हैं।

(vi) लड़कियाँ कम उम्र में विवाह होने तथा अल्प आयु में मातृत्व धारण करने के लिए शारीरिक रूप से तैयार नहीं होती हैं, इसलिए उनकी मृत्यु हो जाती है।

प्रश्न 27. ग्रामीण बस्तियाँ क्या होती हैं? विभिन्न प्रकार की ग्रामीण बस्तियाँ कौन-सी हैं? 5

उत्तर : ग्रामीण बस्तियाँ प्रत्यक्ष रूप से भूमि से संबंधित होती हैं। यहाँ के लोग प्राथमिक क्रियाओं, विशेषकर कृषि कार्यों में संलग्न होते हैं। इसके अलावा यहाँ के अन्य कार्यों में पशुपालन, मत्स्यपालन आदि भी प्रमुख होते हैं।

ग्रामीण बस्तियाँ प्राय: दो प्रकार की होती हैं–

(i) **संहत या सघन बस्तियाँ (Compact or Clustered Settlements) :** इन बस्तियों में घर काफी पास-पास बने होते हैं। ऐसी बस्तियाँ प्राय: उपजाऊ नदी घाटियों में पायी जाती हैं। इनकी सामूहिक स्थिति मृदा के उपजाऊपन पर निर्भर करती है। यहाँ की गलियाँ काफी संकरी होती हैं। गंदे पानी या सीवेज निकासी की व्यवस्था के अभाव में यहाँ की गलियों में गंदगी रहती है जिसके कारण आस-पास का वातावरण अस्वस्थ रहता है।

भारत, चीन व थाईलैंड के मैदानों में ऐसी ग्रामीण बस्तियाँ बड़ी संख्या में पायी जाती हैं।

(ii) **प्रकीर्ण या बिखरी बस्तियाँ (Dispersed Settlements) :** इस प्रकार की बस्तियाँ अधिकतर विरल-आबादी वाले क्षेत्रों जैसे पर्वतों, वनों वाले क्षेत्रों में पायी जाती हैं। इनमें दूर-दूर तक एक-दो आवास बने रहते हैं। यहाँ के मैदान काफी बड़े होते हैं और किसान इन्हीं मैदानों में घर बनाकर रहते हैं। भारत में हिमाचल प्रदेश व सिक्किम में ऐसी प्रकीर्ण बस्तियाँ दिखाई देती हैं।

आकार के आधार पर तीन प्रकार की ग्रामीण बस्तियाँ होती हैं–

(क) **एकाकी बस्तियाँ (Isolated settlements) :** ऐसी बस्तियाँ बड़े-बड़े पशुपालन फार्मों के फार्म हाउसों में होती हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा तथा ऑस्ट्रेलिया में ऐसी बस्तियाँ स्थापित होती हैं।

(ख) **नंगला या पल्ली (Hamlets) :** सुदूरवर्ती क्षेत्रों में यह कुछ भवनों का समूह होता है, जिनमें गिरजाघर, डाकघर या कुछ दुकानें भी शामिल हो सकती हैं।

(ग) **गाँव (Village) :** गाँव सौ-दो सौ आवासयुक्त समूह के रूप में होता है। कृषि प्रधान देशों में ऐसे गाँव सामान्यत: पाए जाते हैं।

***अथवा,* भारत के कस्बे एवं नगरों के प्रकार्यात्मक वर्गीकरण का उल्लेख कीजिए तथा उचित उदाहरण के द्वारा आठ वर्गों को समझाइए।**

***अथवा,* कार्यात्मक दृष्टिकोण से नगरों का वर्गीकरण करें।**

Scanned with CamScanner

उत्तर : (i) प्रशासनिक नगर – प्रशासनिक मुख्यालय के रूप में विकसित नगरों को प्रशासनिक नगर के नाम से जाना जाता है। नई दिल्ली, पटना, चंडीगढ़ आदि। ये प्रायः राज्यों की राजधानी होती हैं।

(ii) औद्योगिक नगर – औद्योगिक रूप से विकसित नगरों को औद्योगिक नगर कहा जाता है। जमशेदपुर, दुर्गापुर, भिलाई, कोयंबटुर आदि।

(iii) परिवहन नगर – आयात-निर्यात से संबंधित पत्तनों तथा परिवहन केन्द्रों के रूप में विकसित नगरों को परिवहन नगर कहा जाता है। मुगलसराय, आगरा, धूलिया, इटारसी आदि।

(iv) व्यापारिक नगर – व्यापारिक केन्द्रों के रूप में विकसित नगर व्यापारिक नगर कहे जाते हैं। कोलकाता, मुंबई, सहारनपुर आदि।

(v) खनन नगर – खनन गतिविधियों वाले नगरों को खनन नगर कहा जाता है। झरिया, रानीगंज, मयूरभंज, डिग्बोई, अंकलेश्वर आदि।

(vi) छावनी नगर – सेना के रख-रखाव से संबंधित नगरों को छावनी नगर कहा जाता है। अंबाला, मेरठ, महू, बबीना आदि।

(vii) शैक्षिक नगर – शिक्षण सुविधाओं से समृद्ध नगर शैक्षिक नगर कहे जाते हैं। रूड़की, इलाहाबाद, अलीगढ़ आदि।

(viii) धार्मिक नगर – धार्मिक केन्द्रों के रूप में विकसित नगरों को धार्मिक नगर कहा जाता है। वाराणसी, अयोध्या, मदुरै, तिरूपति, मथुरा आदि।

(ix) पर्यटन नगर – पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित नगर को पर्यटन नगर कहा जाता है। नैनीताल, मसूरी, शिमला, ऊटी, पंचमढ़ी, माउंटआबू आदि।

प्रश्न 28. हरित क्रांति किसे कहते हैं? हरित क्रांति की उपलब्धियाँ क्या हैं? भारतीय कृषि में इससे कहाँ तक प्रगति हुई है? 5

उत्तर : जैव प्रौद्योगिकी, आधुनिक संयंत्रों, सिंचाई की सुविधा आदि में विकास के कारण कृषि उत्पादन में आश्चर्यजनक वृद्धि को हरित क्रांति की संज्ञा दी गयी है।

हरित क्रांति की क्या उपलब्धियाँ :

(i) खाद्यान्नों के उत्पादन एवं उत्पादकता में भारी वृद्धि (ii) खाद्यान्नों का आयात समाप्त (iii) सर्वाधिक लाभ गेहूँ की फसल को, गेहूँ उत्पादन में छः गुना वृद्धि (iv) खाद्य सुरक्षा की अवधारणा को बल (v) राष्ट्रीय आय में वृद्धि।

हरित क्रांति का सर्वाधिक प्रभाव पंजाब एवं हरियाणा राज्यों में हुआ है। इन राज्यों में कृषि विकास एक प्रतिष्ठित और उच्च स्तर तक पहुँच चुका है। इन राज्यों में सबसे अधिक प्रभावित फसल गेहूँ है। आंध्रप्रदेश एवं तमिलनाडु में चावल की खेती में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

1960 ई. के दशक में भारत में गहन क्षेत्र विकास कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। इस कार्यक्रम के तहत मेक्सिको से अधिक उपज देने वाली गेहूँ की किस्में तथा फिलीपिन्स से धान के बीज मँगाये गये। रासायनिक उर्वरकों तथा आधुनिक कीटनाशकों का प्रयोग व्यापक पैमाने पर प्रारंभ किया गया। इसके अतिरिक्त सिंचाई की सुविधाओं का भी विकास किया गया। इन सबके प्रभाव से प्रति हेक्टेयर उपज में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, जिसे हरित क्रांति के नाम से जाना गया।

हरित क्रांति के प्रभाव सीमित रहे हैं। केवल बड़े किसान ही इसका लाभ उठा सके हैं क्योंकि इसमें भारी निवेश की आवश्यकता पड़ती है। दूसरे, इसका प्रभाव सिर्फ गेहूँ जैसी, फसलों पर ही हुआ है। अन्य फसलें उपेक्षित ही रह गयी हैं। रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अधिक प्रयोग के कारण मृदा लवणीकरण, भौम जल प्रदूषण, पोषक असंतुलन, नये कीटों व रोगों का प्रकोप तथा पर्यावरणीय समस्याएँ भी उत्पन्न हो गयी हैं।

***अथवा,* कृषि के प्रमुख प्रकारों पर प्रकाश डालें।**

उत्तर : प्रमुख कृषि प्रणालियाँ निम्नलिखित हैं–

1. सघन खेती : इसमें छोटे-छोटे खेतों में उन्नत बीजों एवं उर्वरकों का प्रयोग होता है तथा भूमि पर जनसंख्या का दबाव अधिक होता है।

Scanned with CamScanner

2. **विस्तृत खेती :** इसमें खेतों का आकार बड़ा होता है। सारा कृषि-कार्य यंत्रों (Machines) से होता है। शारीरिक परिश्रम कम लगता है लेकिन पूँजी अधिक लगती है।

3. **नम खेती :** वर्षाधिक्य वाले क्षेत्रों में नम खेती की जाती है। ऐसे क्षेत्रों में सिंचाई की आवश्यकता नहीं पड़ती। चावल, गन्ना, जूट आदि इसी प्रकार की प्रमुख फसलें हैं।

4. **सिंचित खेती :** सिंचित खेती की पद्धति नदी घाटियों में अधिक अपनायी जाती है। ऐसी जगहों में वर्षा अपर्याप्त होती है और वह वर्षा पर निर्भर होती है। ऐसी जगहों में नदियों से सिंचाई की जाती है। ऐसे क्षेत्रों की खेती उपजाऊ होती है।

5. **शुष्क खेती :** वैसे क्षेत्रों में शुष्क खेती की प्रणाली अपनायी जाती है, जिन क्षेत्रों में वर्षा 50 से. मी. से भी कम होती है तथा सिंचाई की सुविधाओं का भी नितांत अभाव होता है। दक्षिण के पठारी भागों में, दक्षिण भारत एवं पश्चिमी राजस्थान में शुष्क खेती की जाती है।

6. **एकल खेती :** ऐसी खेती उन क्षेत्रों में की जाती है, जहाँ की जलवायु किसी विशिष्ट फसल के लिए उपयोगी होती है।

7. **दोहरी खेती :** जब एक ही खेत से वर्ष भर में दो फसलें (एक के बाद एक) उगायी जाती है, तो इसे दोहरी खेती कहते हैं।

8. **बहुफसली खेती :** जब एक ही खेत में वर्ष भर में दो से अधिक फसलें एक के बाद एक उगायी जाती है तो इसे बहुफसली खेती कहते हैं।

9. **रोपण खेती :** नकदी फसलों जैसे रबर, चाय, कहवा, नारियल, कपास आदि की खेती इस प्रकार से (रोपकर) की जाती है।

10. **झूम खेती (Shifting farming) :** जब वनों में वनस्पतियों आदि को जलाकर खेती की जाती है तो उसे झूम खेती कहते हैं। ऐसी कृषि असम आदि पहाड़ी क्षेत्रों में की जाती है।

11. **अदल-बदल खेती :** जब भूमि की उर्वरा-शक्ति को संरक्षित रखने के लिए खेतों में अदल-बदल कर खेती की जाती है तो इसे अदल-बदल खेती कहते हैं।

12. **मिश्रित खेती :** जब एक ही समय में एक ही खेत में एक से अधिक फसलें उगायी जाती हैं तो उसे मिश्रित खेती कहते हैं।

13. **वाणिज्यिक खेती :** इसमें मिट्टी एवं जलवायु के लिए उपयुक्त ऐसी फसलें उगायी जाती हैं जिनका व्यापारिक महत्त्व होता है।

प्रश्न 29. दिये गये विश्व के रेखा-मानचित्र पर निम्नलिखित को दर्शाएँ। 5

(a) सहारा एवं कालाहारी मरुस्थल **(b) थार मरुस्थल**

(c) गोबी मरुस्थल **(d) पैटागोनिया मरुस्थल**

(e) ग्रेट सैण्डी मरुस्थल

उत्तर :

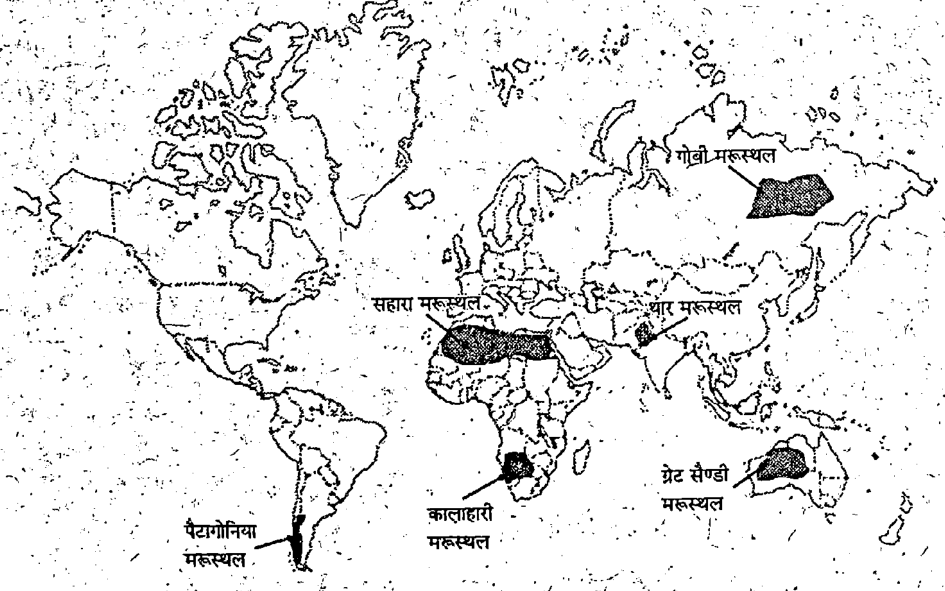

Scanned with CamScanner

विश्व : प्रमुख देश

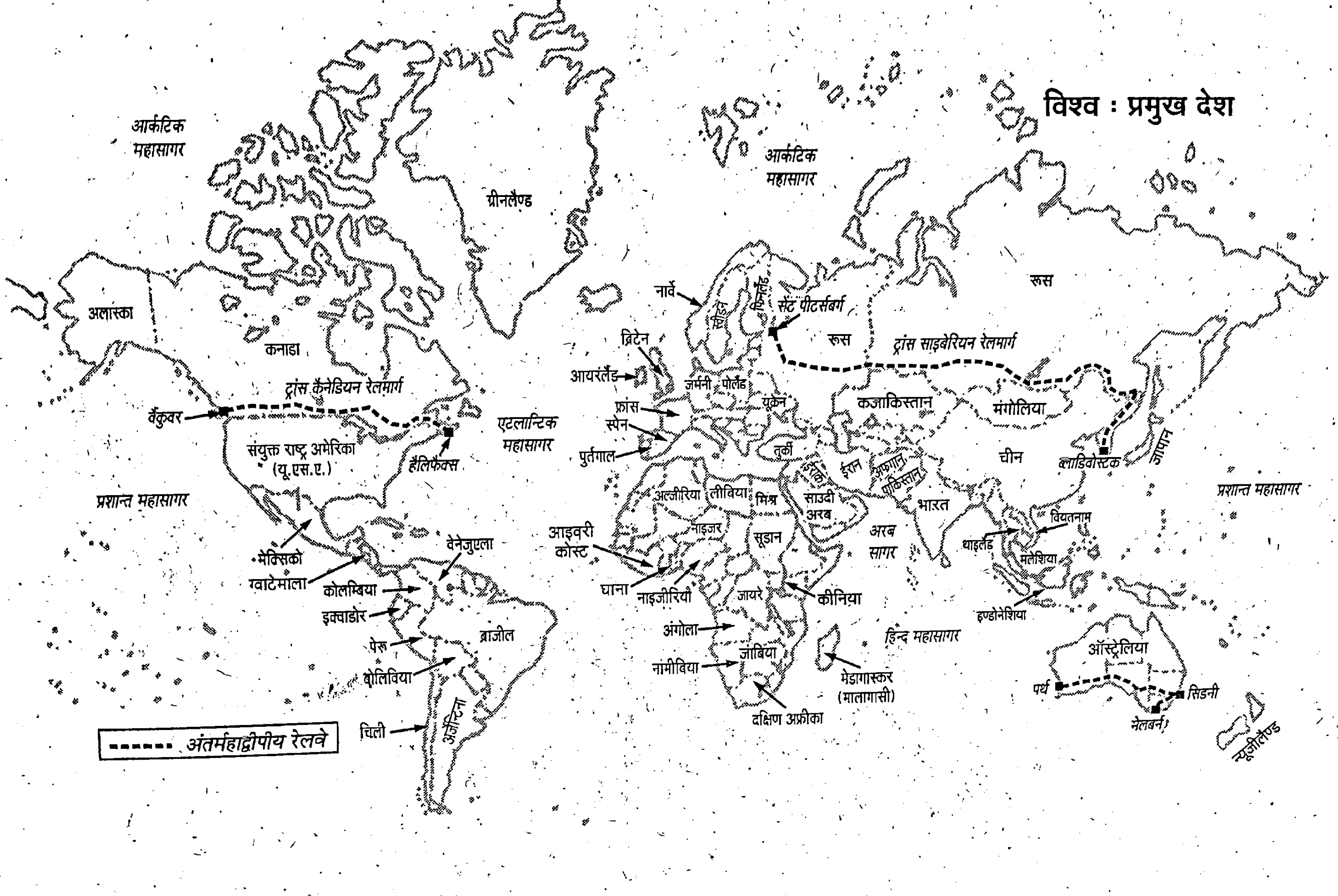

Scanned with CamScanner